 B.A. RNLKWC-/HINDI/DSE-2T/22

2022

HINDI (Hons)

B.A. Fifth Semester End Examination - 2022

PAPER - DSE-2T

(छायावाद)

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

1. किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(i) 'छायावाद' का काल सामान्यत : कब-से-कब तक माना जाता है ? किस ओलाचक ने 'छायाबाद' को राष्ट्रीय जागरण से जोड़ा है ?

(ii) 'छायावाद' के कितने प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं ? किन्हीं दो के नाम बताइए।

(iii) "मुझे प्रोफेसरों के बीच 'छायावाद' सिद्ध करना पड़ेगा" —यह किस छायावादी कबि का कथन है? उनकी एक प्रसिद्ध काव्यकृति का नाम बताइए।

(iv) 'यामा' किनकी कृति है? इसे कौन-सा पुरस्कार मिला था?

(v) किस छायावादी कवि को 'प्रकृति का सुकुमार कवि' एवं किस कवि को 'प्रेम एवं सौंदर्य का कवि' कहा जाता है?

(vi) 'छायावाद' का प्रतिनिधि काव्य किसे माना जाता है? उसके कवि का नाम क्या है?

(vii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस छायावादी कवि को सर्वाधिक महत्व दिया? डा॰ नामवर सिंह के अनुसार किस छायावादी कवि को छंदों क गुरु कहा जा सकता है?

(viii) 'प्रथम रश्मि' एवं 'कह दे माँ अब क्या देखूँ' किनकी कविता है?

(ix) किस कवि की कौन-सी कविता मुक्तछंद की पहली रचना मानी जाती है?

(x) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' को 'निराला' उपनाम किस पत्रिका से मिला? उनका जन्म कहाँ हुआ था?

(xi) "मुक्त करो नारी को मानव"—यह किनकी पंक्ति है? उनके बचपन का नाम क्या था?

(xii) किस छायावादी कवि को 'दार्शनिक कवि' कहा जाता है? उनके बचपन का नाम क्या था?

(xiii) छायावाद का 'ब्रह्मा' एवं 'विष्णु' किन्हें कहा जाता है?

(xiv) किस कवयित्री को 'आधुनिक मीरा' कहा जाता है? उनके काव्य में किस भाव की प्रधानता है?

(xv) किस छायावादी कवि को 'ओज, औदात्य एवं विद्रोह का कवि' कहा जाता है? उनकी एक ओजपूर्ण कविता का नाम बताइए।

2. किन्हीं चार काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×4=20

(i) मानस सागर के तट पर
क्यों लोल लहर की घातें
कल-कल ध्वनि से हैं कहती
कुछ विस्मृत बीती बातें?

(ii) है अमा-निशा उगलता गगन-घन-अंधकार;
को रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अंबुधि विशाल;
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न; केवल जलती मशाल।

(iii) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धुमिल
चिंता का भार बनी अविरल
रज-कण पर जल-कण हो बरसी,
नव जीवन-अंकुर बन निकली।

(iv) अधरों में राज अंमद पिये,
अलकों में मलयज बंद किये,
तू अव-तक सोयी है आली!
आँखों में भरे विहाग री!

(v) आज कहाँ वह पूर्ण-पुरातन,
वह सुवर्ण का काल?
भूतियों का दिगंत-छबि-जाल,
ज्योति चुंबित जगती का भाल।

(vi) शशि किरणों से उतर-उतर कर,
भू पर कामरूप नभ-चर,
चूम नवल कलियों का मृदु-मुख,
सिखा रहे थे मुसकाना।

(vii) देख, मेरी नक्ल है अंगरेजी हेट।
घूमता हूँ सर चढ़ा,
तू नहीं, मैं ही बड़ा।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(i) ''छायावादी काव्य प्रकृति, प्रेम और सौंदर्य का काव्य है''– इस कथन की सम्यक समीक्षा कीजिए।

(ii) ''निराला ओज एवं पौरुष के कवि हैं''—इस कथन के आधार पर निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) पंत की 'परिवर्तन' कविता का काव्य-सौंदर्य बताइए।

(iv) महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना के स्वर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।